कोविड ट्रीटमेंट फैसिलिटी (पेड)
राज्य सरकार के निर्देशानुसार
जनरल वार्ड । आईसीयू
ए.सी. वार्ड | प्राइवेट ए.सी. रूम
प्राइवेट नॉन ए.सी. फैमिली सुइट
प्राइवेट ए.सी. फैमिली सुइट
* सभी अतिरिक्त सुविधाएं अतिरिक्त भुगतान पर उपलब्ध
9649904849, 9461221718

टी मीडिया

tmedia@tantiauniversity.com

टांटिया समूह, श्रीगंगानगर का गौरवशाली प्रकाशन

बीकानेर सम्भाग में पहली बार
विश्व की अत्याधुनिक व बड़ी
M.R.I. (एम.आर.आई.)
1.5 Tesla (16 Channel)
मशीन द्वारा जांच अब श्रीगंगानगर में

टांटिया जनरल हॉस्पिटल
सुखाड़िया मार्ग, श्रीगंगानगर
0154-2481505, 94139-50724
आपातकालीन सुविधाएं 24 घंटे उपलब्ध

वर्ष : 01 | अंक : 13 | पाक्षिक | श्रीगंगानगर | 15 दिसम्बर, 2020 | मोबाइल : 9461221718, 8005519250

जन सेवा हॉस्पिटल की कोविड संबंधी सेवाओं में और इजाफा, नए आईसीयू ने सुखद आश्चर्य में डाला

वीसी के दौरान मुख्यमंत्री से किया वायदा निभाया

मरीजों एवं परिजनों की अपेक्षाएं हो रही पूरी

श्रीगंगानगर।

डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) प्रबंधन ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की वीडियो कांफ्रेंस (वीसी) में उनकी ओर से आह्वान पर अपनी तरफ से किए गए वायदे को तत्काल अमल किया है। कोविड संबंधी 25 बैड का नया आईसीयू हॉस्पिटल में प्रारम्भ कर दिया है। हॉस्पिटल की कोविड संबंधी पेड सेवाओं में इससे और इजाफा हुआ है, नए आईसीयू ने लाभ उठाने वाले मरीजों को सुखद आश्चर्य में डाला है। अत्याधुनिक विश्वस्तरीय सेवाओं वाले इस हॉस्पिटल के इस नए आईसीयू तथा विशेषज्ञों की उपलब्धता के चलते मरीजों और उनके परिजनों की अपेक्षाएं पूरी हो रही है। हॉस्पिटल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बलजीत सिंह के अनुसार कोरोना वायरस कोविड-19 के मरीजों के उपचार के लिए नया आईसीयू नवीनतम उपकरणों एवं जरूरी व्यवस्थाओं से सुसज्जित है। विशेषज्ञ चिकित्सक तथा प्रशिक्षित-अनुभवी नर्सिंग ऑफिसर्स की चौबीसों घंटे सेवाएं उपलब्ध है।

कोविड जांच की लैब शुरू होने से मिलने लगा भारी लाभ

डॉ. नितिशा मलिक

श्रीगंगानगर।

हनुमानगढ़ रोड पर टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर स्थित डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) में कोरोना वायरस कोविड-19 की लैब शुरू होने से इलाकावासियों को भारी मिलना शुरू हो गया है। अब जांच रिपोर्ट के लिए अधिक इंतजार की परेशानी से निजात मिल गई है। महानगरों की तरह अब श्रीगंगानगर में भी 6 से 8 घंटे में कोरोना की जांच रिपोर्ट मिलने की सुविधा प्रारम्भ हो गई है।

जन सेवा हॉस्पिटल की लैब को नेशनल एक्रीडेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड केलिब्रेशन लेबोरेट्रीज (एनएबीएल) से मंजूरी मिलने के साथ ही इण्डियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, नई दिल्ली (आइसी एमआर) ने भी कोरोना जांच के सेम्पल लेने के लिए अधिकृत किया है। बीकानेर संभाग की प्रथम एवं एकमात्र इस निजी कोविड जांच लैब को कोरोना काल में अति महत्वपूर्ण साबित हुए 'आरोग्य सेतु' एप्प ने भी अपनी सूची में शामिल किया है, ताकि नजदीकी क्षेत्र के लोग भी इस लैब का लाभ उठा सकें। माइक्रोबॉयोलोजिस्ट डॉ. नितिशा मलिक की सेवाएं इसमें उपलब्ध है। इलाके में अभी तक केवल सरकारी लैब में कोरोना जांच की सुविधा उपलब्ध होने के चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था, वहीं सरकारी व्यवस्था पर अत्यधिक दबाव बना हुआ था। अब प्राइवेट लैब प्रारम्भ होने से आमजन को राहत मिलनी शुरू हो

गई है, इससे कोविड पोजिटिव होने का जल्द पता लगने से जल्द ही इलाज शुरू हो गया। साथ ही, एयरपोर्ट, एकेडमिक एडमिशन तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर प्रवेश से पूर्व कोरोना रिपोर्ट प्रस्तुत करने की औपचारिकता पूरी करने के लिए दो-तीन दिन तक इंतजार नहीं करना पड़ रहा।

जिला प्रशासन ने केंद्रीय जेल में वृहद स्तर पर

कोरोना जांच का अभियान चलाया, इसमें जन सेवा हॉस्पिटल की सहभागिता रही और लैब टेक्निशीयन निःशुल्क उपलब्ध करवाए।

टीयू की विशिष्ट पहचान में रजिस्ट्रार ऑफिस निभा रहा है महत्वपूर्ण भूमिका

डॉ. विनोद कुमार शर्मा हैं कर्मठ और अनुभवी

श्रीगंगानगर।

डॉ. विनोद कुमार शर्मा

टांटिया यूनिवर्सिटी (टीयू) की विशिष्ट पहचान में रजिस्ट्रार ऑफिस महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार शर्मा कर्मठ एवं अनुभवी हैं। उनकी कार्यशैली और मेहनत के चलते चाहे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) हो या अन्य कोई भी कौंसिल, आयोग या कार्यालय सभी जगह व्यवस्थित ढंग से समस्त कार्य सम्पादित किए जा रहे हैं। डॉ. शर्मा के नेतृत्व में डिप्टी रजिस्ट्रार कुलवीर सिंह, असिसटेंट रजिस्ट्रार राकेश कुमार, अनिल बिश्नोई आदि पूरी टीम उल्लेखनीय कार्य कर रही है।

रजिस्ट्रार ऑफिस के माध्यम से ही बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट, एकेडमिक कौंसिल आदि की बैठकों का निर्धारित समय अवधि में आयोजन किया जा रहा है। सभी प्रकार की फाइलिंग, पत्र व्यवहार, पंजीयन आदि कामों का निर्वहन भी बखूबी किया जा रहा है।

डॉ. शर्मा की सराहनीय सेवाएं

टीयू के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार शर्मा गणित विषय में पीएचडी हैं। हनुमानगढ़ के एक कॉलेज में प्रिंसीपल का दायित्व निभा चुके, इसके अलावा श्रीगंगानगर की एक शिक्षण संस्था में भी डॉ. शर्मा ने सराहनीय सेवाएं दी हैं। वे टीयू के इंजीनियरिंग कॉलेज के मुखिया की भूमिका में भी अपनी श्रेष्ठता साबित कर चुके हैं। साइंस फेकल्टी के डीन की जिम्मेदारी भी डॉ. शर्मा के पास है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की कार्यशाला में भाग ले चुके, इसके अलावा अनेक अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता निभा चुके। डॉ. शर्मा के अनेक रिसर्च पेपर प्रमुख जनरल में प्रकाशित हो चुके हैं।

प्रमुख संस्थानों-विभागों से सम्बद्ध

टीयू विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से मान्यता प्राप्त है। प्रमुख सरकारी संस्थानों-विभागों से स्वीकृत, सम्बद्ध एवं मान्यता प्राप्त है। हाल ही में केंद्र सरकार ने होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के बीएचएमएस व एमडी कोर्स व डिग्री को होम्योपैथी केंद्रीय परिषद अधिनियम 1973 की द्वितीय अनुसूची में शामिल किया है। ऑल इंडिया कौंसिल फॉर टेक्निकल एज्युकेशन, नैशनल कौंसिल फॉर टीचर एज्युकेशन, बार कौंसिल ऑफइंडिया, फार्मेसी कौंसिल ऑफ इंडिया, सेंट्रल कौंसिल ऑफ इंडियन मेडिसिन, सेंट्रल कौंसिल ऑफ होम्योपैथी, इंडियन नर्सिंग कौंसिल, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटिज, आयुष मंत्रालय, दी इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथैरेपी, सामाजिक न्याय विभाग, मानव संसाधन विभाग आदि से टीयू का जुड़ाव है।

'टी-मीडिया' के कार्यकारी सम्पादक राजकुमार जैन का साक्षात्कार दूरदर्शन पर प्रसारित

किन्नू क्लब के अध्यक्ष और पानी वाले पत्रकार की भूमिका का भी हुआ उल्लेख

श्रीगंगानगर।

टांटिया समूह के गौरवशाली प्रकाशन 'टी-मीडिया' के कार्यकारी सम्पादक राजकुमार जैन का साक्षात्कार दूरदर्शन के डीडी राजस्थान चैनल पर प्रसारित हुआ। लगभग आधा घंटे के इस साक्षात्कार में नए कृषि कानून पर चर्चा की वहीं किसान भाइयों से जागरुकता बढ़ाने, समय के साथ चलने, खूबियों को बढ़ाने, खामियों को घटाने की अपील की। वीरेंद्र परिहार की प्रस्तुति वाले 'बीच-बहस' कार्यक्रम में एंकर शालू सचदेव ने जैन के राजस्थान-पंजाब के किन्नू क्लब का अध्यक्ष होने तथा पानी वाले पत्रकार के रूप में ख्यात होने का उल्लेख भी किया। गौरतलब है कि जैन स्वतंत्र पत्रकार हैं और अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। वर्तमान में टांटिया यूनिवर्सिटी में आईईसी को-ऑर्डिनेटर के रूप में भी सेवाएं दे रहे हैं। जैन ने साक्षात्कार में केंद्र सरकार की ओर से कुछ समय पहले लाए गए तीनों कृषि कानूनों का विश्लेषण किया साथ ही बताया कि किसान कैसे अपनी उत्पादन लागत को कम कर सकते हैं तथा उत्पादन एवं गुणवत्ता में बढ़ोतरी कर सकते हैं। राष्ट्रीय कृषि बाजार, मंडी व्यवस्था, जल प्रबंधन, मृदा जांच आदि के बारे में भी उन्होंने विस्तृत बात की।

राजकुमार जैन

...चैन की नींद कहां सोता हूं

'चीर के जमीन को उम्मीद बोता हूं, मैं किसान हूं चैन की नींद कहां सोता हूं' पंक्ति के माध्यम से जैन ने किसानों की वास्तविक स्थिति का जिक्र साक्षात्कार में किया। उन्होंने कहा कि किसानों की आर्थिक स्थिति तथा जीवन शैली में बदलाव के लिए बहुत कुछ बदलने की दरकार है। उन्होंने 'खेती, पाती, विनती और घोड़े की तंग-अपने हाथ संवारिए चाहे लाख रहे कोई संग' उक्ति के माध्यम से किसान भाइयों से सजगता-जागरुकता बढ़ाने की अपील भी की।

कृषि पत्रकारिता के क्षेत्र में पहचान

राजकुमार जैन की कृषि पत्रकारिता के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान है। जल संरक्षण के क्षेत्र में की गई रिपोर्टिंग खूब सराहना पा चुकी है। प्रतिष्ठित माणक अलंकरण, रतन ज्योत पत्रकारिता सम्मान, सत्य शांति सम्मान सहित अनेक अवार्ड मिल चुके हैं। राज्य सरकार नंदकिशोर पारीक पत्रकारिता पुरस्कार के लिए चयन कर चुकी है। जिला प्रशासन सहित अनेक संस्थाओं ने भी उन्हें सम्मानित किया है। जैन राजस्थान पत्रकार संघ (जार) के प्रदेश महासचिव एवं जिलाध्यक्ष रह चुके हैं।

टांटिया यूनिवर्सिटी पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग, नई तकनीक अपनाने में अव्वल

• परिसर के भवनों पर लगाए गए हैं सौर ऊर्जा के लिए पैनल •

श्रीगंगानगर।

टांटिया समूह पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग है और नई तकनीक अपनाने में अव्वल। इसी विशेषता के कारण टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर में सौर ऊर्जा के पैनल लगाए गए हैं । यूनिवर्सिटी के विभिन्न भवनों तथा परिसर के डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) के भवन की छतों का सदुपयोग करते हुए सराहनीय पहल की गई है। तरूण सिंघल, तरूण धानुका, कार्तिक अग्रवाल आदि का इस महत्वपूर्ण कार्य में सहयोग लिया गया है। कई साल पहले सौलर संयंत्र लगाने की शुरूआत यूनिवर्सिटी परिसर में की गई, जरूरत के हिसाब से विस्तार किया गया है। इसके माध्यम से पर्यावरण का संरक्षण किया जा रहा है, बिजली संकट के मद्देनजर सरकार को सहयोग भी किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि यूनिवर्सिटी परिसर में पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाता है। जो भी इसमें आता है, प्रभावित अवश्य होता है। हरे-भरे विशाल लॉन, दरख्तों की कतार और सुंदर पौधों की भरमार मन मोहते हैं। स्वच्छता का भी खूब ध्यान रखा जाता है। वर्षा जल संरक्षण, जल बचत आदि को लेकर भी पूरी जागरुकता रखी जाती है।

अनूठा नजारा

टांटिया यूनिवर्सिटी के विशाल परिसर को ऊपर से देखने पर अनूठा नजारा नजर आता है। बहुमंजिला भवनों की छतों पर सौलर पैनल ही सौलर पैनल नजर आते हैं। इस पहल की चहुं ओर प्रशंसा हुई है, प्रमुख समाचार पत्र ने भी ऐसे अनूठे दृश्य को प्रकाशित करते हुए टांटिया समूह की सराहना की है।

टीयू का शारीरिक शिक्षा संकाय सामाजिक कार्यों में भी अग्रणी

डॉ. सुरजीत सिंह और टीम के प्रयास प्रशंसनीय

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी (टीयू) के शारीरिक शिक्षा संकाय के डीन डॉ. सुरजीत सिंह कस्वां और टीम के प्रयास प्रशंसनीय है। कस्वां के नेतृत्व में गुणवत्ता की शिक्षा देने के साथ-साथ अन्य सामाजिक सरोकारों के कामों में भी सक्रियता से सहभागिता निभाई जा रही है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति विशेष सजगता दिखाते हुए यूनिवर्सिटी परिसर को हरा-भरा करने में बड़ी भूमिका अदा की जा रही है। शारीरिक शिक्षा संकाय का पर्यावरण के प्रति प्रेम ऐसा है कि इसके लिए हर समय तत्पर रहते हैं। जिला उप वन संरक्षक की अपील पर वन महोत्सव भी मनाया जा चुका है। डॉ. कस्वां ने गत दिनों स्वामी दयानंद और आर्य समाज का हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार में योगदान विषय पर वेबिनार में भी हिस्सा लिया था, इसी तरह समय-समय पर वे सकारात्मक और रचनात्मक कामों में अग्रणी रहते हैं।

डॉ. सुरजीतसिंह कस्वां

बनता है गोल्डन कॅरियर

टीयू के शारीरिक शिक्षा संकाय गोल्डन कॅरियर बनाने के कारण विशिष्ट पहचान रखता है। राजस्थान लोक सेवा आयोग की भर्तियों में संकाय के 67 विद्यार्थी शारीरिक शिक्षक लग चुके हैं। योग के क्षेत्र में भी बड़ा नाम है। छात्रा निशा शर्मा एशियाड में बॉस्केटबाल में प्रतिनिधित्व कर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित कर चुकी है, वह रेलवे में टीसी के पद पर कार्यरत है। श्रवणकुमार ने खो-खो की अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में खूब वाहवाही बटोरी।

शाबाश : बहुमुखी प्रतिभा का धनी है हमारा रामकृष्ण सारण

अखिल भारतीय स्तर पर चौथा स्थान किया हासिल

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी (टीयू) के एमपीएड फिजिकल एज्युकेशन के छात्र रामकृष्ण सारण ने नेट परीक्षा में ओबीसी वर्ग में अखिल भारतीय स्तर पर चौथा स्थान हासिल किया है। जूनियर रिसर्च फैलोशिप (जेआरएफ) में यह प्रतिभावान विद्यार्थी राज्य में पहले नम्बर पर रहा है। सारण बहुमुखी प्रतिभा का धनी है। सारण की इस उपलब्धि पर यूनिवर्सिटी की चेयपर्सन श्रीमती सुनीता टांटिया, वाइस चेयरमैन डॉ. मोहित टांटिया, कार्यकारी निदेशक के.एस. सुखदेव, निदेशक डॉ. अश्वनी गोगिया, निदेशक डॉ. प्रवीण शर्मा, अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) एम.एम. सक्सेना, रजिस्ट्रार डॉ. विनोद शर्मा, फिजिकल एज्युकेशन के डीन डॉ. सुरजीत सिंह कस्वां ने सारण को बधाई दी है। उसको यूनिवर्सिटी की तरफ से सम्मानित भी किया जाएगा। उडवाला गांव के बेगराज सारण का सुपुत्र रामकृष्ण सारण प्रतिभाशाली है। प्रथम प्रयास में इस पात्रता को हासिल करने का गौरव प्राप्त किया है। सामान्य किसान परिवार की पृष्ठभूमि का रामकृष्ण खेल के साथ साथ पढ़ाई में अव्वल रहा है। एमपीएड प्रवेश परीक्षा में भी राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। बचपन से ही संसाधनों की कमी के बावजूद अपनी संघर्षशील और जुझारू प्रवृत्ति से गांव के रेतीले धोरों में खेलकर भी रामकृष्ण ने क्रिकेट ,वॉलीबॉल, एथलेटिक्स सहित अन्य खेलों में जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व किया है। रामकृष्ण शारीरिक शिक्षा व खेलों पर कई किताबें भी लिख चुका है जो भारत के अलावा विदेशों में भी लोकप्रिय है। शारीरिक शिक्षा और खेल पर सारण का एप्प प्ले स्टोर पर भी उपलब्ध है जिसमें खेल संबंधी सामग्री का विवरण उपलब्ध है। रामकृष्ण इस नवीनतम और महत्वपूर्ण उपलब्धि पर ग्रामवासियों ने मिठाई खिलाकर बधाई दी और उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि व भामाशाह राजू राम सारण ने कहा कि रामकृष्ण की इस उपलब्धि से प्रेरणा लेकर सम्पूर्ण शेखावाटी अंचल के विद्यार्थियों और नौजवानों को भी इसी तरह सफलता की नई बुलंदियों को प्राप्त करने की कोशिश करनी चाहिए। प्रधानाचार्य मदनलाल पिलानिया, पूर्व सरपंच बेगराज सारण, सरपंच श्रवणराम टांडी सहित अनेक लोगों ने सारण के संघर्ष की तारीफ कर बधाई दी।

रामकृष्ण सारण

डॉग कॉफी की संकट में थी जान, विशेषज्ञता और मेहनत से किया समाधान

टांटिया वेटरनरी क्लिनिक की पहचान में बढ़ोतरी तेजी से जारी

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर स्थित टांटिया वेटरनरी क्लिनिक की पहचान में बढ़ोतरी तेजी से जारी है। हाल ही में इंडियन स्पिट्ज प्रजाति के डॉग कॉफ़ी को जानलेवा डायरिया व गैस्ट्रिक की समस्या हो गई थी, खून की उल्टी व दस्त हो रहे थे। कॉफी 5 महीने का है, असहनीय दर्द से पीड़ित था, आठ दिनों से खून की उल्टी व दस्त बंद ही नहीं हो रहे थे। कॉफी के ओनर स्पर्श सोढ़ी उसे टांटिया वेटरनरी क्लिनिक में लेकर आए। डॉ. अमनदीप सिंह ने इलाज

किया और समस्या का समाधान किया।

सोढ़ी ने बताया कि दिन-रात की कड़ी मेहनत के बाद कॉफी अपने पैरों पर खड़ा हो सका और उसकी गतिविधियां पहले की तरह हो गईं। उन्होंने आभार जताते हुए कहा कि पूरी संवेदना के साथ न सिर्फ कॉफी के दर्द को समझा बल्कि उसका इलाज करते हुए बेहद आधुनिक दवाइयों का उपयोग किया। सोढ़ी के अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा है कि कॉफी के इलाज के समय उसे बचाने में जान लगा दी गई। पूरे मनोयोग एवं समर्पित भाव से उपचार करने की वजह से वह बच पाया है।

उल्लेखनीय है कि टांटिया वेटरनरी क्लिनिक में मात्र 10 रुपए में पशुओं को दिखाने की सुविधा उपलब्ध है। खून जांच, किडनी रोग व लीवर रोग से संबंधित जांच आदि विश्वस्तरीय अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध है। एक्सरे एवं अल्ट्रासाउंड होने से बीमार पशुओं में रोगों का जल्द ही पता लगाया जा सकता है। पशुओं में रक्त चढ़ाने की सुविधा भी जल्दी ही शुरू होने जा रही है। बीमार पशुओं को एडमिट करने की सुविधा के अलावा पशुओं के साथ आए व्यक्ति के ठहरने की सम्पूर्ण व्यवस्था भी उपलब्ध है।

उपलब्धियों से भरी है झोली

टांटिया वेटरनरी क्लिनिक की झोली उपलब्धियों से भरी है। एलर्जी

से बहुत अधिक परेशान एक डॉग का इलाज ऐसा किया गया कि सिर्फ तीन दिन में जोरदार परिणाम आया, एलर्जी नाम मात्र रह गई। निकटवर्ती महियांवाली गांव के कुलदीप गोदारा की पालतू कुत्तिया लैक्सी शरीर के पिछले हिस्से में लकवे से चल नहीं पा रही थी, खाना-पीना बंद था और दौरे आ रहे थे, इसे बिलकुल ठीक कर घर भेजा गया। इसी तरह नाथांवाली गांव से लाई गई एक बिल्ली की जान बचाई गई। उसके पांव में गहरा जख्म था, विशेषज्ञता के चलते उसका सफल उपचार किया गया।

टांटिया समूह की सेवाएं सराहनीय, प्रशंसा जितनी की जाए कम

श्रीगंगानगर।

टांटिया समूह की सेवाएं सराहनीय है, प्रशंसा जितनी की जाए कम है। गणमान्य जनों ने डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) एवं टांटिया यूनिवर्सिटी के माध्यम से चिकित्सा सेवा एवं गुणवत्ता की उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कामों की तारीफ करते हुए प्रोत्साहित किया है। टांटिया समूह की तरह से समय-समय पर किए जा रहे सामाजिक सरोकारों के लिए सधुवाद देते हुए कहा है कि समाज में सक्षम एवं समर्थ लोगों को इसी तरह मानवता की सेवा में तत्पर रहना चाहिए। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस कोविड-19 के चलते किए गए कामों की तो इन लोगों ने विशेष रूप से प्रशंसा की है। गणमान्य जनों ने टांटिया समूह से अपेक्षा जताई है कि वह हमेशा की तरह समाज सेवा में जुटा रहेगा तथा श्रीगंगानगर और राजस्थान की कीर्ति देश-दुनिया में इसी तरह फैलाता रहेगा।

कोरोना काल में टांटिया समूह की तरफ से किए जा रहे काम वास्तव में अनुकरणीय है। जन जागृति की मुहिम चलाना, मास्क, होम्योपैथी के इम्युनिटी बूस्टर बांटना, पुलिस थानों, चौकियों आदि को सेनिटाइज करवाना आदि प्रशंसनीय है। यही शुभकामना है कि समाज हित के लिए कार्य चलते रहेंगे तथा सभी लोगों को लाभ पहुंचाना जारी रहेगा।

– प्रदीप कुमार बोरड़ रिटायर्ड आईएएस, पूर्व शिक्षा आयुक्त, राजस्थान सरकार

टांटिया समूह ने श्रीगंगानगर ही नहीं राजस्थान का मान बढ़ाया है। टांटिया यूनिवर्सिटी का टॉप-10 में रहना बहुत बड़ी उपलब्धि है, गुणवत्ता की उच्च शिक्षा में वास्तव में इसका कोई मुकाबला नहीं है। जन सेवा हॉस्पिटल के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सकों का परामर्श सिर्फ 10 रुपए में उपलब्ध करवाना तथा समस्त सुविधाएं प्रदान किया जाना सराहनीय है।

– ललित डोडा पूर्व अध्यक्ष रोटरी ईस्ट, श्रीगंगानगर

टांटिया समूह श्रीगंगानगर की पहचान और शान है। चिकित्सा सेवा एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शानदार सेवाएं दी जा रही है, समाज सेवा के कामों को भी बढ़-चढ़ कर किया जा रहा है। कोरोना महामारी के समय मरीजों को बहुत अच्छी सेवाएं उपलब्ध करवाई गई है। लोगों को अब महानगरों की तरफ नहीं दौड़ना पड़ता है। टांटिया समूह को बहुत-बहुत साधुवाद।

– अंकित जैन कार्यक्रम संयोजक, एकता मंच, पंजाब शाखा

राजस्थान ही नहीं पंजाब और पूरे देश में टांटिया समूह की विशिष्ट पहचान है। ऐसा गुणवत्ता की उच्च शिक्षा, सराहनीय चिकित्सा सेवा तथा सामाजिक कामों में सदा सक्रिय रहने के कारण हुआ है। टांटिया किसान सेवा केंद्र भी अच्छा काम कर रहा है। जन सेवा हॉस्पिटल की जितनी तारीफ की जाए कम है, वास्तव में टांटिया समूह ने बड़े शहरों जैसी सेवाएं यहीं उपलब्ध करवाई है।

– प्रितपाल तंवर महासचिव, किन्नू क्लब व वरिष्ठ पत्रकार पंजाब

सरकारीकर्मियों, पेंशनर्स के लिए अधिकृत जन सेवा हॉस्पिटल बना हुआ है पहली पसंद

अलग से काउन्टर, सुविधा का रखा जाता है विशेष ध्यान

श्रीगंगानगर।

सरकारीकर्मियों एवं पेंशनर्स के लिए भी अधिकृत डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) उनकी पहली पसंद बना हुआ है। विशेषज्ञ चिकित्सकों, अत्याधुनिक विश्वस्तरीय उपकरणों, समर्पित भाव से सेवा करने वाले अनुभवी-प्रशिक्षित नर्सिंग ऑफिसर्स तथा मनोयोग से काम करने वाले स्टाफ के चलते इस हॉस्पिटल का बड़ी संख्या में सरकारीकर्मियों और पेंशनर्स लाभ उठा रहे हैं। हॉस्पिटल के टीपीए एंड इंश्योरेंस मैनेजर गुरप्रीत सिंह के अनुसार सरकारीकर्मियों एवं पेंशनर्स की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है, अलग से काउन्टर भी बनाया हुआ है। स्टाफ जरूरत होने पर उनके साथ रह कर कार्य सम्पादित करवाता है तथा जांच, दवाई आदि का पुनर्भरण सुनिश्चित किया जाता है।

गुरप्रीत सिंह

प्रमुख बीमा कम्पनियों से भी अधिकृत

डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) करीब दो दर्जन प्रमुख बीमा कम्पनियों के बीमा प्रकरणों के लिए भी अधिकृत है। जिन बीमाधारकों ने इन कम्पनियों के हेल्थ या टर्म इंश्योरेंस करवा रखा है, उनको भरपूर लाभ मिल रहा है। कैश लैस में सारा पैसा संबंधित बीमा कम्पनी देती है। प्री हेल्थ के अंतर्गत बीमा कम्पनियां बीमा के आवेदकों के स्वास्थ्य की पूरी जांच करवाती है, इस मेडिकल चैकअप के लिए भी जन सेवा हॉस्पिटल को अधिकृत किया हुआ है। बीमा कम्पनियों के पुनर्भरण (रिअम्बर्समेंट) के लिए बिल भी हॉस्पिटल में पास होते हैं।

ये हैं प्रमुख बीमा कम्पनियां

एचडीएफसी इरगो जनरल इश्योरेंस कम्पनी, स्टार हेल्थ इंश्यारेंस टीपीए, रिलीगेर हेल्थ केयर इंश्यारेंस, फ्यूचर जनरल इंडिया इंश्योरेंस कॉम, अपोलो मुनीच हेल्थ इंश्योरेंस, विजिन-इ-मेडि सोल्युशन्स टीपीए, इंडस हेल्थ प्लस टीपीए, जिनिनस इंडिया इंश्यारेंस टीपीए लिमिटेड, ग्रांड इंश्योरेंस टीपीए, डोक एप प्राइम, सनराइज मेडिकॉर्प सोल्यूशन, आदित्य बिड़ला, चोला एम.ए. जनरल इंश्योरेंस, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जैसी कम्पनियां कैश लैस की सूची में शामिल है जबकि गो वेलनेक्सट हेल्थ टीपीए, मेडि कंसलटेन्टस प्राइवेट लिमिटेड, मेडि असिसट टीपीए प्राइवेट लिमिटेड, 360 डिग्री हेल्थ केयर, आरएचसीएल हेल्थ केयर, हेल्थ एशोयर टीपीए, एमडी इंडिया टीपीए प्राइवेट लिमिटेड कम्पनियों ने जन सेवा हॉस्पिटल को प्री हेल्थ के लिए अधिकृत कर रखा है।

इनको निःशुल्क सेवा उपलब्ध

आयुष्मान भारत महात्मा गांधी राजस्थान स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत कार्डधारकों को जरूरी औपचारिकता के बाद जन सेवा हॉस्पिटल में निःशुल्क सेवा उपलब्ध है। इन कार्डधारकों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की जा रही है।

टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल का फिजियोथैरेपी विभाग निभा रहा महत्वपूर्ण भूमिका

विशेषज्ञ और विश्वस्तरीय अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध

श्रीगंगानगर।

टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल का फिजियोथैरेपी विभाग मरीजों को तंदुरुस्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसमें विशेषज्ञ चिकित्सक तथा अनुभवी-प्रशिक्षित स्टाफ की सेवाएं उपलब्ध है। फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. जगरूप सिंह के अनुभव से मरीज खूब लाभ उठा रहे हैं। वे और उनकी टीम के सुमन एवं मुकेश कुमार मरीजों तथा उनके परिजनों की आशाओं को पूरा कर रहे हैं।

डॉ. जगरूप सिंह

डॉ. जगरूप सिंह अनुभवी एवं कार्यकुशल है। वे अपनी विशेषज्ञता से मरीजों को कसरत आदि करवाते हैं और उपयोगी परामर्श देकर मुख्य धारा में फिर से शामिल होने योग्य बनाते हैं। इस विभाग में सभी प्रकार के उपकरण, मशीनें आदि उपलब्ध है। इनके माध्यम से मरीजों को बड़े मनोयोग एवं धैर्य के साथ जरूरी कसरत करवाई जाती है। किसी प्रकार की शंका होने पर उनका समाधान किया जाता है। कमर दर्द, घुटना दर्द, हाथ में दर्द, मंद बुद्धि, बुजुर्गों में होने वाली बीमारियों, शारीरिक विकलांगता, अधरंग, न्यूरो, साइकेट्री आदि से जुड़ी समस्याओं में टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल के फिजियोथैरेपी विभाग ने अपनी श्रेष्ठता साबित की है। श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले ही नहीं पंजाब-हरियाणा सहित अनेक राज्यों के मरीज यहां आकर लाभान्वित हो रहे हैं।

टांटिया यूनिवर्सिटी के होम्योपैथिक कॉलेज के कोर्स व डिग्री द्वितीय अनुसूची में शामिल

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी के होम्योपैथिक कॉलेज के बीएचएमएस, एमडी कोर्स एवं डिग्री को होम्योपैथी केंद्रीय परिषद अधिनियम 1973 की द्वितीय अनुसूची में शामिल किया गया है। केंद्र सरकार ने होम्योपैथी केंद्रीय परिषद अधिनियम 1973 की द्वितीय अनुसूची में इसे जोड़ा है। टांटिया यूनिवर्सिटी के एकेडेमिक डॉयरेक्टर डॉ. प्रवीण शर्मा एवं होम्योपैथिक कॉलेज के प्राचार्य डॉ चरणजीत सिंह ने बताया 2013 से पहले बीएचएमएस राजस्थान आयुर्वेद यूनिवर्सिटी, जोधपुर के अंतर्गत होती थी, वर्ष 2013 में टांटिया यूनिवर्सिटी बनने के बाद आने वाले सभी बीएचएमएस के बैच व वर्ष 2016 में शुरू हुई होम्योपैथिक एमडी टांटिया यूनिवर्सिटी के अंतर्गत पूरी हुई। होम्योपैथिक कॉलेज व यूजी एवं पीजी कोर्स के केंद्रीय होम्योपैथिक परिषद के सैकिण्ड शेड्यूल में शामिल होने पर सभी डिग्री पूरी करने वाले विद्यार्थियों, स्टाफ मेंबर्स तथा यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने हर्ष व्यक्त किया है।

पोस्ट कोविड ट्रीटमेंट की पूरी सुविधा उपलब्ध

जन सेवा हॉस्पिटल में एक ही छत के नीचे विशेषज्ञ कर रहे लाभान्वित

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर स्थित डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) में पोस्ट कोविड ट्रीटमेंट की पूरी सुविधा उपलब्ध है। एक ही छत के नीचे विशेषज्ञ लाभान्वित कर रहे हैं। वरिष्ठ मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. विशु टांटिया के मार्गदर्शन में साइकोलॉजिस्ट एंड काउंसलर डॉ. मनीष अरोड़ा परामर्श दे रहे हैं। सिर्फ 10 रुपए के शुल्क पर यह महत्वपूर्ण परामर्श उपलब्ध है।

डॉ. विशु टांटिया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी कोविड-19 संबंधी समीक्षा बैठक में निर्देश दे चुके हैं कि कोविड पॉजिटिव रोगियों की मानसिक समस्याओं के मद्देनजर काउंसलिंग सुनिश्चित की जाए। जन सेवा हॉस्पिटल में यह सेवा पहले से जारी है और काफी संख्या मरीज परामर्श से लाभ उठा रहे हैं।

रिकवर होने के बाद भी सावधानी आवश्यक

साइकोलॉजिस्ट एंड काउंसलर डॉ. मनीष अरोड़ा का कहना है कि कोरोना से रिकवर होने के बाद भी सजगता बहुत आवश्यक है। किसी प्रकार की परेशानी लगने पर विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए, लापरवाही से नुकसान ही होता है। ऐसा देखा जा रहा है कि पोस्ट कोविड सिंड्रोम में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीज नेगेटिव होने के बाद भी कुछ दिनों या महीनों तक उससे जुड़े हुए लक्षणों या दुष्प्रभावों का अनुभव करता है। इनसे जीवन की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। कोविड के दुष्प्रभाव गंभीर मामलों तक ही सीमित नहीं रहते, जिन रोगियों को माइल्ड या मोडरेट इंफेक्शन हुआ है, उनमें भी नेगेटिव होने के बाद भी कोई न कोई परेशानी की आशंका रहती है।

डॉ. मनीष अरोड़ा

कोविड से नेगेटिव होने के बाद भी कई तरह के लक्षण लम्बे समय तक नजर आने तथा अनेक दुष्प्रभावों की आशंका को देखते हुए पोस्ट कोविड रिकवरी प्रोग्राम बहुत जरूरी है। विशेषज्ञ चिकित्सकों के परामर्श से पूर्ण रूप से जांच होनी चाहिए कि आंतरिक अंगों पर कोई दुष्प्रभाव तो नहीं पड़ा है। आवश्यकता के हिसाब से दवाओं, गुणवत्ता के आहार व पोषण, फिजियोथैरेपी आदि से वापिस बिलकुल स्वस्थ होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना सुनिश्चित होना चाहिए।

जागरुकता है बहुत जरूरी

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संजय सोलंकी का कहना है कि कोरोना के मामले में जागरुकता बहुत जरूरी है। मरीज को शीघ्र उबारने के लिए जीवन रक्षक इंजेक्शन आदि भी जरूरत के समय महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मरीज की पूरी केयर की जानी चाहिए। किसी प्रकार से घबराने की आवश्यकता नहीं, बस जागरुकता आवश्यक है। सिटी स्केन एवं जो भी जांच बताई जाए, करवाने में किसी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए। मरीज के अलावा परिजनों को भी मास्क पहन कर रखना चाहिए। मरीज का मनोबल कम नहीं होने देना चाहिए, उनमें यह आत्मविश्वास बढ़ाया जाए कि थोड़े समय में बिलकुल स्वस्थ हो जाएंगे। गुणवत्ता का आहार देना चाहिए, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए ध्यान रखना आवश्यक है। कोरोना को लेकर मरीजों एवं उनके परिजनों तथा परिचितों की चिंता अपनी जगह सही है, इसके बावजूद सभी को इलाज करने वाले चिकित्सक, नर्सिंग ऑफिसर्स, चिकित्सा संस्थान आदि का भरपूर सहयोग करना चाहिए। सभी मिलजुल कर एक-दूसरे का सहयोग करेंगे तभी इस वैश्विक महामारी से आए संकट को टाल पाएंगे।

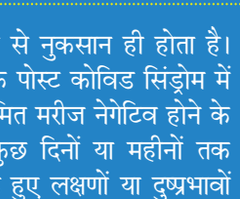

डॉ. संजय सोलंकी

मुख्यमंत्री गहलोत ने समीक्षा बैठक में यह कहा

कोविड-19 की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोविड पॉजिटिव रोगियों के लिए कई निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि -कोविड पॉजिटिव रोगियों को अकेले रहने तथा बीमारी के दुष्प्रभावों के कारण मानसिक परेशानियों से भी जूझना पड़ रहा है। साथ ही वर्क फ्रॉम होम, इस बीमारी के कारण लम्बे समय से लोगों के घर पर ही रहने, बाहर न निकलने से बच्चों एवं बुजुर्गों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी विपरीत असर पड़ रहा है। कोविड रोगियों एवं अन्य लोगों के लम्बे समय से घर पर ही रहने से संभव है कि कुछ मानसिक समस्याएं अनुभव की जा रही हों। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग इस संबंध में संवेदनशील रहकर दिशा निर्देश तैया कर ऐसे लोगों की समुचित काउंसलिंग सुनिश्चित करें।

जिला कलक्टर वर्मा ने जन सेवा हॉस्पिटल का औचक निरीक्षण किया, व्यवस्थाओं से हुए प्रभावित

अत्याधुनिक सुविधाओं को सराहा, मरीजों से भी लिया फीडबैक

श्रीगंगानगर।

जिला कलक्टर महावीर प्रसाद वर्मा ने हनुमानगढ़ रोड पर टांटिया यूनिवर्सिटी कैंपस स्थित डॉ. एस. एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) के कोरोना वार्ड का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों से फीडबैक लिया। हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. मोहित टांटिया ने समस्त व्यवस्थाओं का ब्यौरा दिया।

जिला कलक्टर ने परिसर को देखा तथा अत्याधुनिक सुविधाओं आदि की सराहना की। निरीक्षण के दौरान निजी कोविड अस्पतालों के को-ऑर्डिनेटर अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) डॉ. गुंजन सोनी तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गिरधारीलाल मेहरडा भी जिला कलेक्टर के साथ रहे। प्रशासनिक टीम ने यहां उपलब्ध करवाई जा रही अत्याधुनिक सुविधाओं की प्रशंसा की और विभिन्न मरीजों से बातचीत कर उनका फीडबैक लिया।

अधिकांशतः मरीज संतुष्ट नजर आए और उन्होंने स्थानीय स्तर पर ही जन सेवा हॉस्पिटल की ओर से उपलब्ध करवाई जा रही उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाओं को सराहनीय बताया। जिला कलेक्टर ने आईसीयू के निरीक्षण के दौरान कुछ मरीजों के बारे में विस्तृत जानकारी लेते हुए उनकी संपर्क हिस्ट्री और परिवार के अन्य सदस्यों की स्थिति के बारे में भी जाना। हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. मोहित टांटिया ने प्रशासनिक टीम को पूरे कॉम्प्लेक्स का भ्रमण करवाते हुए डेडीकेटेड सीटी स्कैन, एक्स-रे एवं अन्य जांच मशीनों के बारे में बताया। इस दौरान प्रशासनिक टीम ने हाल ही में प्रारंभ हुई बीकानेर संभाग की प्रथम एवं एकमात्र निजी कोविड जांच लैब का भी दौरा किया और इस हाईटेक लैब में कुछ ही घंटों में कोरोना जांच रिपोर्ट दिए जाने को इलाक़ेवासियों के लिए लाभकारी बताया।

जिला कलक्टर ने राज्य सरकार की ओर से निर्धारित शुल्क को प्रदर्शित करते हुए फ्लेक्स के पूरे कैंपस में लगे होने की प्रशंसा की। वर्मा रिसेप्शन एरिया में हेल्प डेस्क सहित सभी प्रोटोकॉल का पूर्णतया पालन होता देख कर भी प्रभावित हुए।

'टी-मीडिया' का अवलोकन

जिला कलक्टर महावीर प्रसाद वर्मा एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) डॉ. गुंजन सोनी को जन सेवा हॉस्पिटल के औचक निरीक्षण के समय टांटिया समूह के डिजिटल बुलेटिन टी-मीडिया का अवलोकन भी करवाया गया। उन्होंने इसकी भी प्रशंसा की। 'टी-मीडिया' के मुख्य सम्पादक डॉ. विकास सचदेवा ने उन्हें बताया कि बुलेटिन के माध्यम से समूह से संबंधित गतिविधियों को प्रस्तुत किया जाता है।

समूह परिवार के सदस्यों की प्रतिभा को भी आगे लाने का प्रयास भी इसके माध्यम से किया जा रहा है। डॉ. सचदेवा ने यह भी जानकारी दी कि कोरोना काल में टांटिया समूह ने दस दिन का विशेष जागरुकता अभियान चलाया। सरकार की ओर से समय-समय पर जारी की जाने वाली एडवाइजरी आदि को भी 'टी-मीडिया' में विशेष स्थान दिया जाता है।

टी-क्लिक

धुंध दे रही सकारात्मकता का संदेश

मौसम में बदलाव आ गया, आ गया धुंध का समय। धुंध मानो यह संदेश देती है कि सभी सकारात्मक रहें। ऊर्जा और सकारात्मकता से परेशानियों की धुंध जरूर छंटती है। बस, कुछ समय लग सकता है। ऐसे में किसी बाधा की परवाह किए बिना अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जुटे रहना चाहिए क्यों कि धुंध, उत्साह के उजाले में तब्दील होती ही है, यह उजाला और मेहनत से जुटने का आह्वान करता है। टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर में इस सीजन की पहली धुंध को अपने कैमरे में कैद किया है साथी **अतुल सुथार** ने।

टी-क्लिक: टांटिया समूह के साथी समूह के किसी भी संस्थान, सेवाओं, सुविधाओं अथवा इंफ्रास्ट्रक्चर को दर्शाती या अन्य कोई संदेश देती तस्वीर 'टी-क्लिक' के लिए प्रेषित कर सकते हैं। फोटोग्राफी में रुझान हो तो उठाइए कैमरा और यादगार पल को कैद कर अपने नाम व विवरण के साथ media@tantiauniversity.com पर मेल कर दीजिए।

जन सेवा हॉस्पिटल में 15 फरवरी तक चिकित्सा महाशिविर जारी, मिल रहा लाभ

ईसीजी निःशुल्क, हर प्रकार की लेबोरेट्री जांच में विशेष छूट

श्रीगंगानगर।

हनुमानगढ़ रोड पर टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर स्थित डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) के नॉन कोविड ब्लॉक में चिकित्सा महाशिविर जारी है, इलाके को इसका भारी

लाभ मिल रहा है। यह 10 दिसम्बर से शुरू हुआ है और 15 फरवरी तक चलेगा। महाशिविर में जांच के लिए श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले ही नहीं पड़ोसी राज्य पंजाब-हरियाणा आदि के मरीज भी आ रहे हैं। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बलजीत सिंह ने बताया कि इस महाशिविर में ईसीजी निःशुल्क की जा रही है, लेबोरेट्री जांच में विशेष छूट दी जा रही है। सीबीसी सिर्फ 20 रुपए में तथा अल्ट्रासाउंड केवल 100 रुपए में किया जा रहा है। मुख्य स्थलों से बस परिवहन की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है साथ ही, दवाइयों पर 15 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। जन सेवा हॉस्पिटल में परामर्श शुल्क केवल 10 रुपए, भर्ती शुल्क मात्र 20 रुपए रखा हुआ है। आयुष्मान भारत योजना में निःशुल्क इलाज होता है तथा प्रमुख बीमा कम्पनियों से बीमित मरीजों एवं राज्य कर्मचारियों-पेंशनर्स के लिए कैशलेस उपचार सुविधा उपलब्ध है। हॉस्पिटल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं नियमित उपलब्ध हैं। इमरजेंसी एवं ट्रोमा विभाग में हर समय न्यूरो, आर्थो एवं प्लास्टिक सर्जन जैसे विशेषज्ञों की सेवाएं उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नम्बर 1800123101020 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

हर कोई होता है प्रभावित

डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) की सेवाओं से हर कोई प्रभावित होता है। सिर्फ 10 रुपए में मरीज देख जाते हैं, भर्ती का शुल्क केवल 20 रुपए लिया जाता है। विशेषज्ञ चिकित्सक तथा अनुभवी समर्पित स्टाफ हर समय सेवा को तत्पर रहते हैं। सर्जरी के सफल सेंटर के रूप में इसकी विशेष ख्याति है। मेडिसिन विभाग, सीटीवीएस विभाग, न्यूरो सर्जरी, अस्थि एवं जोड़ रोग, मुंह, गला एवं थॉयराइड कैंसर रोग, नेत्र रोग, प्रसूति व स्त्री रोग, नवजात व शिशु रोग, छाती, टीबी व श्वास रोग, दंत रोग विभाग, आहार व पोषण विभाग कार्यरत हैं। कोरोना मरीजों के लिए भी अलग से सराहनीय सेवाएं दी जा रही है। हॉस्पिटल की अत्याधुनिक लैब सुविधाओं की ख्याति भी चहुं ओर है।

मुख्य स्थलों से बस परिवहन की निःशुल्क सुविधा भी उपलब्ध

सामाजिक सरोकारों में सदा अग्रणी

टांटिया समूह के सामाजिक सरोकारों सदा अग्रणी रहता है। इसी क्रम में चिकित्सा महाशिविर शुरू किया गया है। कोरोना काल में दस दिवसीय विशेष

जागरुकता अभियान चलाया गया, नुक्कड़ नाटक का मंचन भी किया गया। राजकीय जिला चिकित्सालय के आईसीयू का जीर्णाद्धार करवाया गया है। शहर के प्रमुख शिव सर्किल को गोद लिया हुआ है। कई जल मंदिर संचालित किए जा रहे हैं, हाल ही में सर्किट हाऊस में जल मंदिर का लोकार्पण जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने किया। टांटिया किसान सेवा केंद्र के माध्यम से किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है। थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों की सेवा की जा रही है। जे.आर. टांटिया नशा चैरिटेबल नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र उल्लेखनीय कार्य कर रहा है।

पुण्य स्मृति: श्रद्धेय डॉ. श्यामसुन्दर टांटिया
मार्गदर्शक: डॉ. विशु टांटिया
मुख्य सम्पादक: डॉ. विकास सचदेवा (मो. : 9461221718)
कार्यकारी सम्पादक: राजकुमार जैन (मो. : 8005519250)
पुण्य स्मृति: श्रद्धेय श्रीमती शकुन्तला देवी टांटिया

टांटिया समूह द्वारा जनहित में निःशुल्क प्रसारित-प्रचारित। सर्वाधिकार सुरक्षित। बिना अनुमति, दुर्भावनावश, किसी भी अंश को कांट-छांटकर या सौजन्य उल्लेख के बिना उपयोग में लाए जाने पर दण्डनीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। - मुख्य सम्पादक
मुख्य कार्यालय : टी मीडिया, द्वितीय तल, जन सेवा हॉस्पिटल, टांटिया विश्वविद्यालय परिसर, हनुमानगढ़ मार्ग, श्रीगंगानगर-335002